"हमीदुल्ला के असंगत नाटक : एक अनुशीलन

अध्याय : 1

असंगत नाटक : सैद्धान्तिक विवेचन

अध्याय : 2

हिन्दी के असंगत नाटक और हमीदुल्ला के असंगत नाटकों की अवधारणा

अध्याय : 3

हमीदुल्ला के असंगत नाटकों में जीवन की विभिन्न विसंगतियाँ

अध्याय : 4

हमीदुल्ला के असंगत नाटकों में मनोवैज्ञानिकता

अध्याय : 5

हमीदुल्ला के असंगत नाटकों में शिल्प-विधान

अध्याय : 6

हमीदुल्ला के असंगत नाटकों में रंगमंचीय बोध

अध्याय : 7

समापन

हमीदुल्ला के असंगत नाटक : एक अनुशीलन

अ नु क्र म णि का

पृष्ठांक

अध्याय : 1 001-034

असंगत नाटक : सैद्धान्तिक विवेचन

भूमिका

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक : विविध प्रवृत्तियाँ

असंगत शब्द प्रयोग

जीवन का अविभाज्य हिस्सा : असंगति

मनोवैज्ञानिक पीठिका के परिप्रेक्ष्य में असंगति

असंगत नाटक से अभिप्राय

असंगत नाटक और परम्परागत नाटक

पाश्चात्य एब्सर्ड नाट्य परम्परा

हिन्दी के असंगत नाटक : पाश्चात्य प्रभाव

असंगत नाटक भारतीय परिप्रेक्ष्य में

असंगत नाटक सैद्धान्तिक विवेचन

कथ्य, चरित्र-सृष्टि, भाषिक और संवादीय सरंचना, प्रतीक और बिम्ब विधान, रंगमंचीय आयाम, उद्देश्य

समाहार

अध्याय : 2 035-066

हिन्दी के असंगत नाटक और हमीदुल्ला के असंगत नाटकों की अवधारणा

भूमिका

पृष्ठांक

1· हिन्दी के असंगत नाटककार और उनके नाटक -

भुवनेश्वर प्रसाद, विपिनकुमार अग्रवाल, डॉ·लक्ष्मीकांत वर्मा, डॉ·शम्भूनाथ सिंह, काशीनाथ सिंह, मणि मधुकर, डॉ·सत्यव्रत सिन्हा, डॉ·लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल चौधरी, बृजमोहन शाह, रमेश बक्षी, रामेश्वर प्रेम, मुद्राराक्षस , शांति मेहरोत्रा, अन्य नाटककार।

2· हमीदुल्ला और उनके असंगत नाटकों की अवधारणा

व्यक्तित्व, कृतित्व

असंगत नाटक

शोध-कार्य की दिशाएँ

1· विसंगत जीवन-बोध

2· मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

3· नाट्य-शिल्प 4· रंगमंचीय आयाम

समाहार

अध्याय : 3 067-106

हमीदुल्ला के असंगत नाटकों में जीवन की विभिन्न विसंगतियाँ

भूमिका

1· यांत्रिकता और परवशता

2· भ्रष्टाचार

3· स्वार्थान्धता

4· रिश्तों का खोखलापन

5· अस्तित्व की विवशता

6· संस्कारहीनता

पृष्ठांक

7· आदमी की बेचारगी

8· पाशविकता

9· अवसरवादिता

10·विवाहित स्त्री-पुरूषों का बेगानापन

11·नपुंसकता

12·अर्थहीन भटकाव

13·नारी शोषण

14·कार्यालयों की निष्क्रियता

15·स्त्री-पुरूष संबंधो में बदलाव

16·मोहभंग

17·मूल्यहीनता

समाहार

अध्याय : 4 107-126

हमीदुल्ला के असंगत नाटकों में मनोवैज्ञानिकता

भूमिका

मनोविज्ञान स्वरूप और महत्व

असंगत नाटक और मनोविज्ञान

हमीदुल्ला के असंगत नाटक और मनोविज्ञान

मनोविकार -

1· क्रोध, 2·भय, 3·संत्रास, 4·चिंता, 5·हँसी, 6·संशय,

7· ईर्ष्या, 8· घृणा·

मनोविकृतियाँ -

अ) दैनिक जीवन की मनोवृत्तियाँ

ब) मनोविक्षिप्तता

पृष्ठांक

क) लैंगिक विकृतियाँ

1· परपीड़न, 2· प्रतिजातीय वस्त्रासक्ति, आसक्ति,

3· स्पर्श आसक्ति, 4· पुरूष भाव प्रतिमा, 5· नग्न दर्शन आसक्ति, 6· नपुंसकता या अकामुकता, 7· अतिकामुकता

मनोरचनाएँ या रक्षा-युक्तियाँ

1· दमन अथवा विरोध 2· संक्षिप्तिकरण

3· विस्थापन 4· अन्तःक्षेपन, 5· क्षतिपूर्ति,

6· वास्तविकता से पलायन।

मनोविज्ञान के अन्य आयाम -

स्वप्न मनोविज्ञान

स्वप्नों के प्रकार

भीड़ का स्वप्न

फैशन का स्वप्न

समाहार

अध्याय : 5 127-179

हमीदुल्ला के असंगत नाटक : शिल्प विधान

भूमिका

1· वस्तुविन्यास

2· पात्र और चरित्र-चित्रण

पात्रों की संख्या, पात्रों का वर्गीकरण, हमीदुल्ला के पात्रों की विशेषताएँ, चरित्र-चित्रण की विधियाँ,

हमीदुल्ला के असंगत नाटक के चरित्र-चित्रण की विधियाँ

1· साक्षात शैली, अ· नाटककार द्वारा , ब· पात्र द्वारा

2· परोक्ष शैली, 3· सांकेतिक शैली, 4· अभिनयात्मक शैली

अ) पात्रों के क्रिया-कलाप द्वारा, ब) संवाद या कथोपकथन द्वारा

पृष्ठांक

5·मनोवैज्ञानिक शैली, 6·व्यंग्यात्मक शैली,

7·पूर्वदीप्ति शैली, 8·लोक शैली।

3· संवाद शिल्प

1·संबोधनहीन संवाद, 2·टूटे-फूटे अधूरे संवाद,

3·संक्षिप्त और नपे-तुले संवाद, 4· यांत्रिक संवाद,

5·अप्रत्याशित संवाद, 6·संवादों में संवाद,

7·संवादों की पुनरावृत्ति, 8·संवादों द्वारा वातावरण निर्मिति

9· अतिनाटकीय संवाद, 10·संवादों में मौन का प्रयोग

11·स्वगत और एकालाप, 12· कोरस का कलात्मक प्रयोग

4· भाषा शैली

1· हरकत की भाषा, 2·आम बोलचाल की भाषा,

3·हाशिएवाली भाषा , 4·मानवीय संवेदनाओं की भाषा

5·अभिव्यक्ति का ठण्डापन, 6· काव्यात्मकता,

7·दार्शनिकता, 8· वाक्यविन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियाँ -

अ) छोटे वाक्यों का प्रयोग, ब) रिक्तसूचक बिंदू -

चिन्हों से युक्त वाक्यों का प्रयोग,

क· अधूरे वाक्यों का प्रयोग, ड) वाक्य-विन्यास में

विलोपन और विखंडन, इ) लम्बे वाक्यों का प्रयोग

ई) प्रश्नवाचक वाक्यों का प्रयोग

1· शब्द-चयन की प्रवृत्तियाँ - अ) बोलचाल के शब्दों

का अधिकाधिक प्रयोग, ब) अंग्रेजी शब्दों की प्रचुरता

क) अन्य भाषाओं के शब्द, 10·मुहावरों का प्रयोग

पृष्ठांक

5· गीत एवं संगीत योजना

6· बिम्ब एवं प्रतीक योजना

बिम्ब योजना, प्रतीक योजना

7· शीर्षकों के अभिनव प्रयोग

समाहार

अध्याय : 6 — 180-216

हमीदुल्ला के असंगत नाटकों में रंगमंचीय बोध

भूमिका

नाटक और रंगमंच

रंगमंच

रंगमंचीय उपकरण

1 मंचसज्जा -

हमीदुल्ला के असंगत नाटक : मंचसज्जा

2· वेशभूषा तथा रूपविन्यास

हमीदुल्ला के असंगत नाटक वेशभूषा तथा रूपविन्यास

3· पात्रों के क्रिया-व्यापार

हमीदुल्ला के असंगत नाटक : पात्रों का क्रिया-व्यापार

1· राजनीति की भ्रष्ट स्थिति,

2· आतंक और खूंखारपन, 3· प्रेम और यौन विकृति, 4·मनोविकृत स्वप्न,

5· विसंगत यांत्रिक जीवन, 6·मृत्युबोध

7· मूक क्रिया-व्यापार

4· ध्वनि प्रकाश योजना

हमीदुल्ला के असंगत नाटक-ध्वनि-प्रकाश योजना

5· दर्शकीय और पाठकीय संवेदनाएँ

हमीदुल्ला के असंगत नाटक : दर्शकीय और पाठकीय संवेदनाएँ

समाहार

अध्ययाय : 7 217-221

स मा प न

सन्दर्भ-ग्रन्थ-सूची 222-227